Hindustan - New Delhi - 05 - 02 - 2011

दिल्ली में दूनी होंगी एमबीबीएस सीटें

आरएमएल और पीजीआई चंडीगढ़ में एमबीबीएस कॉलेज खोलने का प्रस्ताव

मदन जैड़ा

नई दिल्ली

दिल्ली के बड़े अस्पतालों से जुड़े पांच मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटें दोगुनी हो सकती हैं। अभी तक इन कॉलेजों में क्षमता से कम यानी 600 सीटें हैं। यदि नए फार्मूले पर काम हुआ तो करीब इतनी ही सीटें और बढ़ जाएंगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स, सफदरजंग, यूसीएमएस तथा लेडी हार्डिंग कॉलेजों से सीटें बढ़ाने को कहा है। इसके लिए इन्हें एमसीआई से औपचारिक मंजूरी लेनी होगी। दूसरे, मंत्रालय अब राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी एमबीबीएस कॉलेज खोलने पर विचार कर रहा है। यहां अभी सौ सीटों वाला पीजी कॉलेज है।

मंत्रालय के एक अधिकारी के मुताबिक, एम्स 1956 से चल रहा है, लेकिन इसमें एमबीबीएस की सिर्फ 77 सीटें हैं जबकि उसकी बेड क्षमता दो हजार से ऊपर है। एमसीआई के नियमानुसार 900 बेड वाले अस्पताल में एमबीबीएस की 250 सीटें सृजित की जा सकती हैं। एम्स की क्षमता इससे कहीं अधिक की है।

कहां कितनी सीटें

कॉलेज	सीटें	प्रस्तावित
एम्स	077	250
वर्धमान महावीर	100	150
लेडी हार्डिंग	130	120
डीयू मेडिकल	150	100
मौलाना आजाद	180	70

* 600 सीटें हैं पांच कॉलेजों में

वहीं, सफदरजंग स्थित वर्धमान महावीर कॉलेज में 100 सीटें हैं और 150 बढ़ाने की कवायद चल रही है। केंद्र के एक और बड़े अस्पताल लेडी हार्डिंग में भी 130 सीटें हैं और 120 और बढ़ाई जा सकती हैं। जीटीबी अस्पताल स्थित दिल्ली विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में पहले 100 सीटें ही थीं। पिछले साल 50 सीटें बढ़ाई गईं, जबकि 100 और बढ़ाई जा सकती हैं। इसी प्रकार मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में 180 सीटें हैं तथा 70 सीटें और बढ़ाने गुंजाइश है। अधिकारी के अनुसार, लोहिया अस्पताल में जगह की कमी के कारण एमबीबीएस कॉलेज नहीं खुल पा रहा है। इसके लिए करीब तीन एकड़ जगह तलाश की गई है। लेकिन यह कम पड़ रही है।

जुलाई से जामिया में शुरू होगा कोर्स

अनुराग मिश्र। इस सत्र से जामिया हमदर्द में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। इस बाबत जामिया को दिल्ली मेडिकल काउंसिल से मंजूरी मिल गई है। जुलाई 2011 से शुरू होने वाले इस कोर्स में 100 सीटें होंगी। जामिया हमदर्द के कुलपति डॉ. जीएन काजी ने बताया कि जुलाई से कोर्स शुरू होगा। विवि ने 350 बिस्तरों वाला अस्पताल भी तैयार कर लिया है जो शैक्षणिक कार्यों के लिए रहेगा। अभी उन्हें एमसीआई की मंजूरी का इंतजार है, लेकिन उन्होंने इजाजत जल्द मिलने की उम्मीद जताई। कोर्स के लिए 90 शिक्षक भी नियुक्त कर लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल दाखिले प्रवेश परीक्षा के द्वारा ही लिए जाएंगे। प्रवेश परीक्षा का आयोजन जामिया हमदर्द द्वारा कराया जाएगा। 50 प्रतिशत सीट ओपन मेरिट के आधार पर और 50 प्रतिशत सीट अल्पसंख्यकों के लिए होगी। छात्रों को आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुर्वेद, यूनानी आदि भी पढ़ाएंगे।